

प्रेषक,

विनोद फोनिया,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी,
बागेश्वर (उत्तराखण्ड)।

पशुपालन अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक 24 सितम्बर, 2010:

विषय- चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 में नई हैचरियों की स्थापना तथा वर्तमान मत्स्य प्रक्षेत्रों/हैचरियों का आधुनिकीकरण हेतु वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपरोक्त विषयक निदेशक, मत्स्य के पत्र संख्या- 672/नई0 हैच0स्था0लेखा-बजट-2(52)/2010 दिनांक 23-7-2010 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि मत्स्य विभाग को आयोजनागत पक्ष में नई हैचरियों की स्थापना व वर्तमान हैचरियों/मत्स्य प्रक्षेत्रों का आधुनिकीकरण योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2009-10 में बैजनाथ टैंक में स्थित मत्स्य विभाग के राजकीय भवन का आधुनिकीकरण हेतु टी0ए0सी0 द्वारा परीक्षणोपरांत औचित्यपूर्ण पाये गये धनराशि कुल ₹ 5.14 लाख के आगणन संलग्न कर भेजते हुए ₹ 5.00 लाख (₹ पाँच लाख मात्र) की धनराशि आपके निर्वहन पर रखने की श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

1. कार्य करने से पूर्व मदवाद दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शेड्यूल ऑफ रेट्स में स्वीकृत नहीं है, अथवा बाजार भाव से ली गयी हो, की स्वीकृति नियमानुसार सक्षम अधिकारी से अनुमोदन करना आवश्यक है।
2. कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितनी धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय। धनराशि का आहरण एवं व्यय आवश्यकतानुसार किया जाय।
3. कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लो0नि0वि0 द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
4. कार्य करने से पूर्व उच्चाधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता (कार्य की आवश्यकतानुसार) से कार्य स्थल का भली-भाँति निरीक्षण अवश्य करा लिया जाय तथा निरीक्षण के पश्चात दिये गये निर्देशों के अनुरूप ही कार्य कराया जाय।
5. निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाय तथा उपयुक्त पाई गई सामग्री को ही प्रयोग में लायी जाय।
6. कार्य प्रारम्भ कराने से पूर्व Uttarakhand Procurement Rules, 2008 का अनुपालन किया जाय।

1

7. सी0पी0डब्लू फार्म-9 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य सम्पदित करना होगा तथा समय से कार्य को पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगणन की कुल लागत का निर्माण इकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा।
8. इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 के आय-व्यय के अनुदान संख्या-28 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-4405-मछली पालन पर पूँजीगत परिव्यय-00-आयोजनागत-101-अन्तर्देशीय मछली पालन-91-मछली पालन (जिला योजना)-9104-नई हैचरियों की स्थापना एवं वर्तमान हैचरियों/मत्स्य प्रेक्षेत्रों का आधुनिकीकरण-24-वृहद निर्माण कार्य लेखाशीर्षकों के नामें डाला जायेगा।
- 2-यह आदेश प्रमुख अधिकारी, वित्त के शासनादेश संख्या-187/XXVII(1)/2010, दिनांक 30-3-2010 के क्रम में जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक :- यथोक्त (आगणन)

भवदीय,
(विनोद फोनिया)
सचिव।

संख्या- 2601 /XV-2/8(16)/2007 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, देहरादून, उत्तराखण्ड।
2. मण्डलायुक्त, कुनार्यू, उत्तराखण्ड।
3. निजी सचिव-मंत्री, मत्स्य विभाग को मा0 मंत्री जी को अवगत कराने हेतु।
4. निदेशक, मत्स्य, देहरादून।
5. वित्त अनुभाग-4/नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
6. कोषाधिकारी, बागेश्वर/अल्मोडा, उत्तराखण्ड।
7. निदेशक, बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. निदेशक एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
9. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
(जी0बी0ओली)
संयुक्त सचिव।